

UGC NET 23rd June 2026 Shift 2 Philosophy Memory Based Paper-exam

Q1. अनुभववाद की विल्लर्ड वैन ओर्मन द्विन की आलोचनाओं के संबंध में निम्नलिखित दो कथनों पर विचार करें:

- कथन I: अनुभववाद के दो हठधर्म में, द्विन विश्लेषणात्मक-सिंथेटिक भेद को यह दिखाकर खारिज करता है कि विश्लेषणात्मकता की अवधारणा "पर्याय" और "अर्थ संबंधी नियम" जैसे शब्दों के एक परिपत्र नेटवर्क पर निर्भर करती है जिन्हें विश्लेषणात्मकता को स्वयं माने बिना परिभाषित नहीं किया जा सकता है।
- कथन II: द्विन का कट्टर समग्रतावाद मानव ज्ञान को "विश्वास के वेब" के रूप में मॉडल करता है जहाँ व्यक्तिगत वाक्य एक-एक करके अनुभव के न्यायाधिकरण का सामना करते हैं, जिससे प्रणाली के तार्किक केंद्र को प्रभावित किए बिना परिधीय कथनों को संशोधित किया जा सकता है।

इन कथनों का मू

(a) कथन I सही

(b) कथन I गल

(c) कथन I और

(d) कथन I और

Ans.(a)

Q2. प्रतीत्यसमु

A. नाम-रूप

B. वेदना

C. षडायतन

D. तृष्णा

E. स्पर्श

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

(a) A-E-D-B-C

(b) A-C-E-B-D

(c) A-B-C-D-E

(d) A-C-B-E-D

Ans.(b)

Q3. सूची - I को सूची - II से सुमेलित करें।

सूची - I महावाक्य सूची - II उपनिषद

(A) तत्-त्वम्-असि (I) छान्दोग्य उपनिषद

(B) अहम् ब्रह्मास्मि (II) बृहदारण्यक उपनिषद

(C) प्रज्ञानम् ब्रह्म (III) ऐतरेय उपनिषद

(D) अयम् आत्मा ब्रह्म (IV) माण्डूक्य उपनिषद

Test

Prime

By Adda247

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION



Test. Analyze. Improve. Repeat.



Don't just *prepare*. *Perform*.

Test Prime — built only for mock tests.



1,50,000+

Mock Tests



25,000+

Previous Year Papers



800+

Exam Covered



500% Refund

on Selection



5 lakh+

Free Quizzes



Daily

Free PDFs



Job Alerts

Stay Updated

- Multilingual
- Detailed Solution
- Strong and Weak Areas



**All India
Rankings**

Compete with lakhs.
Rank. Improve. Repeat.



Adda247 test prime

Rating ▼

Editors' choice

New



Adda247 Test Prime

Adda Education • Education

📄 Installed



DOWNLOAD THE APP



नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनें :

- (a) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(IV), (D)-(III)
 (b) (A)-(I), (B)-(II), (C)-(III), (D)-(IV)
 (c) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(III), (D)-(IV)
 (d) (A)-(II), (B)-(I), (C)-(IV), (D)-(III)

Ans.(b)

Q4. प्लेटो के रिपब्लिक (विशेष रूप से विभाजित रेखा की सादृश्यता) और थियेटेटस के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन वैचारिक रूप से गलत है?

- (a) इकासिया (कल्पना या अनुमान) दृश्य दुनिया (होराटोन) के सबसे निचले खंड पर कब्जा कर लेता है, जो छाया और प्रतिबिंबों से निपटता है, जबकि पिस्टिया (विश्वास) वास्तविक शैविक वास्तवों से निपटता है।

- | | |
|------------------|------------------|
| (b) डायनोइया | नेधित्व करता है |
| क्योंकि डायनोइ | ना नहीं होती है। |
| (c) थियेटेटस में | ता है और अंततः |
| खारिज कर देता | विवरण प्रदान |
| करने में विफल | |
| (d) दृश्य दुनिया | में बदलाव को |
| चिह्नित करता | |

Ans.(b)

Q5. जी.डब्ल्यू.ए. निम्नलिखित में से कौन सा क

- The logo for Adda247, featuring the word 'Adda' in a white sans-serif font, followed by '247' in a large, bold, white font inside a black rectangular box. The entire logo is set against a black background.

Ans.(b)

Q6. स्पिनोज़ा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन से दावे गलत हैं

- A. ईश्वर के नित्य गुण और अस्थायी गुण अलग-अलग हैं
- B. जहाँ शरीर है, वहाँ एक मानसिक घटना है
- C. बुद्धि चीजों के सार्वभौमिक सार को समझने में मदद करती है।
- D. सहज ज्ञान ही पर्याप्त ज्ञान है।
- E. जहाँ तक आत्मा पुष्टि या खंडन करती है कि क्या सत्य है या असत्य, हम इसे बुद्धि कहते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल A और B
- (b) केवल B और C
- (c) केवल C और D
- (d) केवल D और E

Ans.(d)

Q7. प्लेटो द्वारा 'थिएटेटस' में इन परस्पर जुड़े सिद्धांतों की व्यापक रूप से आलोचना करके ज्ञान को परिभाषित किया गया है।

A. ज्ञान ही प्रत्यक्ष है

B. मनुष्य सभी ज्ञान

C. सब कुछ परिचित

D. हेराक्लिटस का

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें:

- (a) केवल A, B और C
- (b) केवल B, C और D
- (c) केवल A, B और D
- (d) केवल A और D

Ans.(a)

Q8. प्रारंभिक भूतत्व

संबंध के बारे में

1. ऋण एक अंतः

उत्पन्न होता है, जिसका

2. तैत्तिरीय संक्षिप्त

(ब्रह्मचर्य/अध्ययन)

3. पूर्व-मीमांसा

के लौकिक रखरखाव या व्यक्तिगत शुद्धि से बिल्कुल कोई संबंध नहीं है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) 1, 2, और 3

Ans.(c)

Q9. सूची-I में नैतिक विचारकों को सूची-II में उनके सटीक अधि-नैतिक या आदर्शवादी सिद्धांतों के साथ सुमेलित करें:

सूची-I (विचारक)	सूची-II (सिद्धांत / ढांचा)
P. ए.जे. एयर	1. नैतिक अहंकारवाद: आदर्शवादी दृष्टिकोण कि एजेंटों को विशेष रूप से अपने स्वार्थ में कार्य करना चाहिए।
Q. आर.एम. हेयर	2. भावुकतावाद (Emotivism): गैर-संज्ञानात्मक दृष्टिकोण कि नैतिक निर्णय केवल भावनात्मक अनुमोदन या अस्वीकृति को व्यक्त करते हैं।
R. जी.ई. मूर	3. प्रेस्क्रिप्टिविज्म: भाषाई दृष्टिकोण कि नैतिक शब्द उन आदेशों के रूप में कार्य करते हैं जो क्रिया का मार्गदर्शन करते हैं और उन्हें सभी समान मामलों में लगातार लागू किया जाना चाहिए।
S. आयन रैंड	4. अंतर्ज्ञानवाद (Intuitionism): संज्ञानात्मक दृष्टिकोण कि 'अच्छा' (Good) की अवधारणा एक सरल,

सूची-I को सूची-II

- (a) P-2, Q-3, R-4, S-1
(b) P-3, Q-2, R-1, S-4
(c) P-2, Q-4, R-3, S-1
(d) P-1, Q-3, R-2, S-4

Ans.(a)

Q10. सूची-I में

सूची-I
I. निर्विकल्प ज्ञान
II. रेडिकल मातृत्व
III. अभिन्न मातृत्व
IV. त्रैतवाद (ईश्वर प्रकृति अलग-अलग सह-अस्तित्व के रूप में)

सही विकल्प चुनें

- (a) I-B, II-A, III-C, IV-D
(b) I-B, II-D, III-A, IV-C
(c) I-A, II-B, III-C, IV-D
(d) I-D, II-C, III-A, IV-B

Ans.(a)

Q11. आधुनिक भारतीय दार्शनिक निर्माणों और प्रकाशनों के संबंध में निम्नलिखित मील के पथरों को उनके सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें (सबसे शुरुआती से नवीनतम):

1. एम.एन. राय द्वारा रूढ़िवादी मार्क्सवाद से ब्रेक के बाद कट्टरपंथी मानवतावाद और वैज्ञानिक भौतिकवाद की प्रस्तुति।
2. शिकागो में धर्म संसद में और उसके बाद के व्याख्यानों में स्वामी विवेकानंद द्वारा व्यावहारिक वेदांत और धार्मिक अनुष्ठानों पर संबोधन की डिलीवरी।
3. पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा एक वैकल्पिक राजनीतिक-दार्शनिक प्रतिमान के रूप में एकात्म मानववाद की औपचारिक अभिव्यक्ति।
4. डॉ. एस. राधाकृष्णन द्वारा 'हिंदू व्यू ऑफ लाइफ' का प्रकाशन, हिंदू बहुलवाद की भावना को परिभाषित करना।

सही कोड चुनें:

- (a) $2 \rightarrow 4 \rightarrow 1 \rightarrow 3$
- (b) $4 \rightarrow 2 \rightarrow 3 \rightarrow 1$
- (c) $2 \rightarrow 1 \rightarrow 4 \rightarrow 3$
- (d) $4 \rightarrow 3 \rightarrow 2 \rightarrow 1$

Ans.(a)

Q12. इमैनुएल लेविनास के नैतिक दर्शन में, दूसरे के चेहरे (ले विसाज) के साथ आदिम मुठभेड़ के दौरान क्या होता है?

- (a) अहंकार दूसरे की पहचान को अपने स्वयं के संज्ञानात्मक ढांचे में आत्मसात कर लेता है, जिससे पूर्ण ज्ञान का एक उच्च सट्टा संक्षेपण प्राप्त होता है।
- (b) चेहरा सभी के लिए एक ही है, जो मेरी ओटो-रिफरेंस ("मैं-संबंधित") जारी करता है जो मेरी ओटो-रिफरेंस को जारी रखता है।
- (c) अहंकार दूसरे की पहचान को अपने स्वयं के संज्ञानात्मक ढांचे में आत्मसात कर लेता है, जिससे पूर्ण ज्ञान का एक उच्च सट्टा संक्षेपण प्राप्त होता है।
- (d) चेहरा एक निरंतर प्रक्रिया है, जो मेरी ओटो-रिफरेंस को जारी रखता है, जो मेरी ओटो-रिफरेंस को जारी रखता है।

Ans.(b)

Q13. निम्नलिखित में से सही कोड चुनें:

- (a) सभी के लिए
- (b) सबसे कम
- (c) बेघरों के लिए
- (d) सार्वभौमिक

Ans.(b)

Q14. ट्रांसिडेंटल अनुसंधान के अनुसार, दिक् और अनुभव के बीच का संबंध क्या है?

- (a) लंबे समय तक
- (b) व्यक्तिगत, स्वतंत्र भौतिक वस्तुओं से सामान्य विशेषताओं को अलग करके प्राप्त सामान्य अवधारणाएँ।
- (c) शुद्ध, अनुभवपूर्व अंतर्ज्ञान जो मानव संज्ञानात्मक क्षमता की संरचना में अंतर्निहित है, आवश्यक व्यक्तिपरक स्थितियों के रूप में काम करते हैं जिसके तहत अकेले कच्चे संवेदी डेटा को हमारे द्वारा व्यवस्थित और अनुभव किया जा सकता है।
- (d) मनोवैज्ञानिक भ्रम जो तब पूरी तरह से गायब हो जाते हैं जब कोई एजेंट बौद्धिक परिपक्वता प्राप्त कर लेता है।

Ans.(c)

Q15. गोटलोब फ्रेग के अर्थ (सिन) और संदर्भ (बेड्यूटिंग) के बीच मौलिक भेद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. एक व्यक्तिवाचक संज्ञा का अर्थ प्रस्तुति का तरीका (आर्ट डेस गेगेबेन्सिन) है जिसमें चिह्न की वस्तुनिष्ठ वैचारिक सामग्री शामिल होती है, जबकि संदर्भ वह वास्तविक वस्तु है जिसे चिह्न निर्दिष्ट करता है।

2. दो अभिव्यक्तियाँ पूरी तरह से अलग अर्थ रखते हुए बिल्कुल समान संदर्भ साझा कर सकती हैं, जो यह बताता है कि $a = b$ जैसे पहचान कथन सूचनात्मक (सूचनात्मक पहचान कथन) क्यों हो सकते हैं, जबकि $a = a$ एक मात्र पुनरुक्ति (टॉटोलॉजी) है।
3. फ्रेग का तर्क है कि एक पूर्ण घोषणात्मक वाक्य का अर्थ उसका सत्य-मूल्य (सत्य या असत्य) है, जबकि उस वाक्य का संदर्भ वह विचार (गेडांके) है जिसे वह व्यक्त करता है।
4. फ्रेग के अनुसार, संदर्भ (बेड्यूटिंग) रहित खाली नाम वाले वाक्य भी अपना वस्तुनिष्ठ, संवादात्मक अर्थ (सिन) पूरी तरह खो देते हैं।
- ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2, 3 और 4
- (c) केवल 1, 3 और 4
- (d) केवल 1, 2 और 4

Ans.(a)

Q16. यदि एक

- A. ऐसा कथन रूप
- B. ऐसा कथन रूप
- C. ऐसे कथन रूप
- D. ऐसे कथन रूप

नीचे दिए गए वि

- (a) केवल A, B,
- (b) केवल A और
- (c) केवल A, C,
- (d) केवल A और

Ans.(b)

Q17. मानव प्र

होते हैं। निम्नलि

साथ सटीक रूप से विपरीत करता है?

- (a) हॉब्स अपने अनुबंध को एक ईश्वरीय प्राकृतिक कानून पर आधारित करते हैं जो मानव स्वार्थ से पहले का है, जबकि लोके अपना अनुबंध पूरी तरह से भौतिक आत्म-संरक्षण के लिए पूरी तरह से यंत्रीकृत, अनैतिक अभियान से प्राप्त करते हैं।
- (b) हॉब्स प्रकृति की स्थिति को पूर्ण लाइसेंस की एक पूर्व-नैतिक स्थिति के रूप में देखते हैं जहां अधिकार शक्ति के साथ सह-व्यापक है, संप्रभु की इच्छा को न्याय का एकमात्र स्रोत बनाता है; लोके प्रकृति की स्थिति को एक तर्कसंगत प्राकृतिक कानून द्वारा पहले से ही शासित मानते हैं जो किसी भी राज्य के निर्माण से पहले जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति के नैतिक दावों की रक्षा करता है।
- (c) हॉब्स सामाजिक अनुबंध को एक नाजुक, आसानी से भंग होने वाले व्यापार समझौते के रूप में मानते हैं, जबकि लोके अनुबंध को एक अचूक, अधिनायकवादी सामूहिक के लिए सभी व्यक्तिगत अधिकारों के अपरिवर्तनीय आत्मसमर्पण के रूप में मानते हैं।

(d) हॉब्स का तर्क है कि सामाजिक अनुबंध तभी मान्य है जब इसमें शक्तियों का पृथक्करण शामिल हो, जबकि लोके का मानना है कि सभी शक्तियां एक ही सम्राट में केंद्रित होनी चाहिए।

Ans.(b)

Q18. चिकित्सा नीतिशास्त्र का कौन सा सिद्धांत मुख्य रूप से यह सुनिश्चित करने से संबंधित है कि स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर मरीजों को नुकसान न पहुँचाएं

- (a) परोपकार (Beneficence)
- (b) अहानिकरता (Non-maleficence)
- (c) न्याय (Justice)

(d) मानव-केंद्रित

Ans.(b)

Q19. सूची-I को

सूची-I
A. एक वस्तु में
B. सार्वभौमिक
C. अनुभवजन्य
D. जो वास्तविक

नीचे दिए गए विकल्पों में से

- (a) A-III, B-I,
- (b) A-II, B-I,
- (c) A-I, B-III,
- (d) A-IV, B-II

Ans.(d)

Q20. निम्नलिखित में से

(इकोफेमिनिज्म)

(a) कट्टरपंथी नारीवाद

महिलाओं के कानूनी-संवैधानिक मतदान अधिकारों पर केंद्रित है।

(b) कट्टरपंथी नारीवाद पितृसत्ता को सत्ता की एक स्वतंत्र, मूलभूत प्रणाली के रूप में पहचानता है जो महिलाओं को उनके शरीर और प्रजनन के राजनीतिक-भौतिक नियंत्रण के माध्यम से सीधे उत्पीड़ित करती है, जबकि पारिस्थितिक नारीवाद महिलाओं के पितृसत्तात्मक वर्चस्व और गैर-मानव प्राकृतिक दुनिया के विनाशकारी, पूंजीवादी शोषण के बीच एक वैचारिक और संरचनात्मक संबंध स्थापित करता है।

(c) कट्टरपंथी नारीवाद का दावा है कि लिंगों के बीच जैविक अंतर को कानूनी रूप से बढ़ाया जाना चाहिए, जबकि पारिस्थितिक नारीवाद प्रकृति के अस्तित्व को पूरी तरह से खारिज करता है।

(d) महिलाओं को मुक्त करने के अंतिम उपकरण के रूप में औद्योगिक टेक्नोलॉजी के अपने अंध समर्थन में दोनों आंदोलन समान हैं।

Ans.(b)

Q21. सोरन कीर्केगार्ड के अस्तित्वगत विकल्प और व्यक्तिपरकता का आधारभूत निर्माण ज्यां-पॉल सार्त्र के बीसवीं सदी के नास्तिक अस्तित्ववाद से संरचनात्मक रूप से कैसे अलग है?

(a) कीर्केगार्ड का दावा है कि अस्तित्व भौतिक वस्तुओं के लिए ही सार से पहले है, जबकि सार्त्र का दावा है कि यह विशेष रूप से ईश्वर पर लागू होता है।

(b) कीर्केगार्ड तर्क देता है कि अस्तित्व की कट्टर चिंता तब हल हो जाती है जब व्यक्ति अपनी व्यक्तिपरकता को ईश्वर के साथ एक पारलौकिक संबंध में लंगर डालने के लिए एक विरोधाभासी, गैर-तर्कसंगत "विश्वास की छलांग" करता है, जबकि सार्त्र जोर देकर कहता है कि क्योंकि ईश्वर का अस्तित्व नहीं है, मनुष्य पूरी तरह से "स्वतंत्र होने के लिए निर्दिष्ट" है, अपने स्वयं के मूल्यों का आविष्कार करने के लिए पूर्ण, मध्यस्थता रहित जिम्मेदारी वहन करता है।

(c) कीर्कैगार्ड क [REDACTED] क बदलते उत्पाद के रूप में देखता [REDACTED]

(d) कीर्केगार्ड ज व्यक्तिवाद के पक्ष	सारत्र कलात्मक
---	----------------

Ans.(b)

Q22. लैंग्वेज, दू A तत्वमीमा B उनके मानदंड के अनुसार, पारंपरि C स करने में असम D वाक्यों के रूप में क्कों वर्गीकृत कि

(a) क्योंकि वे उ

(b) क्योंकि वे न तो स्वयं ही (पुनरुक्ति) हैं और न ही अज्ञान के द्वारा झूठे या पष्ट (वे न तो झूठे हैं और न ही पष्ट हैं)। संवेदी अनुभव

(c) क्योंकि वे वैयक्तिक नैतिकता के राजस्व को जमा करने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं।

(d) क्योंकि वे निष्पक्ष न्याय के पर निर्भर करते हैं जिसे स्पष्ट और पारदर्शिता में आया जाता है।

Ans.(b)

Q23. द कॉन्सेप्ट

(a) मन की तुलना

(b) मानसिक सि

(c) मन की तुलना एक विश्वविद्यालय से करके

(d) मानसिक स्थिति की तुलना एक पेंटिंग से करके

Ans.(c)

Q24. तार्किक प्रत्यक्षवादियों की मुख्य चिंताएँ निम्नलिखित में से कौन सी हैं?

(A) विज्ञान की एकता

(B) प्रकृतिवाद का खंडन

(C) तर्क का खंडन

(D) तत्त्वमीमांसा का उन्मूलन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- (a) केवल (B) और (C)
- (b) केवल (A) और (D)
- (c) केवल (A), (B), (C), (D)
- (d) केवल (A), (B) और (D)

Ans.(b)

Q25. निम्नलिखित में से कौन से कथन सही हैं?

A. कांट में सर्वोच्च अच्छाई सद्भावना है।

B. हेनरी सिजवि

C. जे.एस. मिल

D. सुकरात में गु

नीचे दिए गए वि

(a) केवल A, B,

(b) केवल A, B,

(c) केवल B, D

(d) केवल A, C

Ans.(c)

Q26. नीति के

A. सुपरमैन का नैतिक नैतिकता के आधार पर नैतिकता के प्रमाण है।

B. मास्टर नैतिकता को मानुषीयता के लिए कह रहा है।

C. मास्टर के मूल के लिए अच्छा से अभिव्यक्त हैं।

D. मास्टर-नैतिक

E. गुलाम एक वि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- (a) केवल B, C और E
- (b) केवल C, D और E
- (c) केवल B, D और E
- (d) केवल A, C और D

Ans.(d)

Q27. सत्य जागरूकता (प्रमा) की नव्य-न्याय परिभाषा के संदर्भ में, गंगेश उपाध्याय द्वारा अपनी तत्त्वचिंतामणि में तैयार की गई सटीक तकनीकी परिभाषा क्या है?

- (a) यथार्थानुभवः प्रमा (अनुभव जो अपनी वस्तु के अनुरूप है)।
(b) तद्वति तत्प्रकारकोऽनुभवः प्रमा (एक अनुभव जो किसी वस्तु को एक ऐसा चरित्र प्रदान करता है जो उस सटीक चरित्र को धारण करता है)।
(c) अनधिगत-अबाधित-अर्थविषयज्ञानम् प्रमा (वह ज्ञान जिसकी वस्तु न तो पहले से ज्ञात है और न ही बाद में खंडित होती है)।
(d) स्मृति-व्यावृत्तम् ज्ञानम् प्रमा (संज्ञान जो स्मृति से संरचनात्मक रूप से भिन्न है)।

Ans.(b)

Q28. I. टेलर का तर्क है कि व्यक्तिगत पहचान और नैतिक एजेंसी मौलिक रूप से संवादात्मक हैं, जिसका अर्थ है कि वे केवल एक साझा भाषाई समुदाय या "कथन के जाल" के संबंध में ही बन और कायम रह सकते हैं।

II. टेलर के अनुसार प्रकृति का विकास करती है कि वे क्या हैं, जिसका

III. टेलर प्रक्रिया को प्रयोग में लाने से पहले, निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए, कि प्रक्रिया को सही ढंग से लागू किया जा सके।
ऊपर दिए गए चरणों का पालन करके, प्रक्रिया को सही ढंग से लागू किया जा सके।

- (a) केवल I और II
(b) केवल II और III
(c) केवल I और III
(d) I, II, और III

Ans.(a)

Q29. कार्ल पॉप (Karl Popper) के नाटम (Theory of Falsification) के आधार पर, निम्नलिखित में से कौन सा कथन उनके दार्शनिक रुख के बारे में सही है?

- (a) एक सिद्धांत की पुष्टि यह दर्शाती है कि वह सत्य है जब तक सभी संभावित मूल्यों में से कोई एक भी सत्य नहीं होता है, तो वह सत्य नहीं है। (b) मार्क्सवाद का सिद्धांत यह दर्शाता है कि समाज में विभाजित श्रम शक्ति का अभाव है, जो कि समाज की कमी नहीं है, बल्कि इसलिए कि उन्हें किसी भी संभावित विरोधी साक्ष्य को दूर करने का लिए काफी ढाल ढंग से तैयार किया गया है। (c) किसी सिद्धांत की पुष्टि यह दर्शाती है कि सिद्धांत के सत्य होने की उच्च वस्तुनिष्ठ संभावना साबित हो गई है, जिससे प्रमाण का भार इसके विरोधियों पर आ जाता है। (d) साहसिक अनुमान जिनमें उच्च स्तर की मिथ्याकरणीय अनुभवजन्य सामग्री होती है, वे सतर्क, अत्यधिक संभावित परिकल्पनाओं की तुलना में वैज्ञानिक रूप से बेहतर होते हैं।

Ans.(c)

Q30. सूची-I (विचारक/स्कूल) को सूची-II (मूल ज्ञानमीमांसीय/आध्यात्मिक सिद्धांत) के साथ समेलित करें और सही कूट का चयन करें:

Test

Prime

By Adda247

Previous Year Papers PDF

PRACTICE MORE, SCORE HIGHER!



Free
25,000+
PDF's

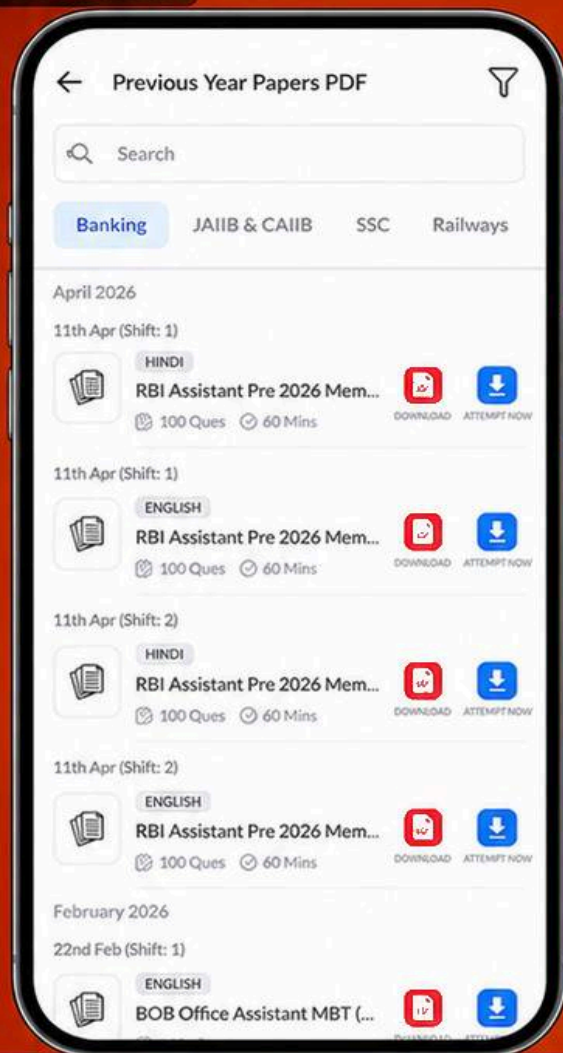
High-Quality | Exam-Wise | Updated Regularly

ATTEMPT AS
MOCK



Turn PDFs into real exam experience.

Analyze. Improve. Succeed.



Topic-wise &
Exam-wise PDFs



Download &
Study Offline



Attempt as Mock
& Track Score



Smart Analysis
& Performance

AVAILABLE IN



Banking



SSC



Railway



Teaching



UGC



Agriculture



Nursing



Bihar



UP



Punjab



WB



Odisha



TN



AP & Telangana



Haryana



DOWNLOAD THE APP



सूची-I (विचारक/स्कूल)	सूची-II (मूल सिद्धांत)
A. योगाचार बौद्ध धर्म	(1) दोहरे-पहलू वाला अद्वैतवाद / तटस्थ पदार्थ
B. कार्ल पॉपर	(2) विज्ञानवाद / बाहरी वस्तुओं का वस्तुनिष्ठ भ्रम
C. बारूक स्पिनोज़ा	(3) संवादात्मक स्व और हर्मेन्यूटिक यथार्थवाद
D. चार्ल्स टेलर	(4) पतनवाद और तीन-दुनिया तत्वमीमांसा

कूट:

(a) A-2, B-4, C-1, D-3

(b) A-2, B-1, C-4, D-3

(c) A-3, B-4, C-1, D-2

(d) A-4, B-2,

Ans.(a)

Q31. योगाचार

करें:

I. आलयविज्ञान

या अभूतपूर्व अ

II. जबकि आलय

के भ्रम को कायम

में खुद को बाहरी

III. परम वास्त

घटनाविज्ञान नि

ऊपर दिए गए क

(a) केवल I और

(b) केवल II औ

(c) केवल I और

(d) I, II, और II

Ans.(b)

Q32. गोटलोब फ्रेगे के मौलिक निबंध ऑन सेंस एंड रेफरेंस (उबर सिन अंड बेड्यूटुंग) में, संज्ञानात्मक मूल्य के बारे में एक पहली को हल करने के लिए पहचान कथन "भोर का तारा ही संध्या का तारा है" का विश्लेषण किया गया है। फ्रेगे के ढांचे के अनुसार, निम्नलिखित में से किसे छोड़कर सभी दावे सत्य हैं:

(a) "भोर का तारा" और "संध्या का तारा" अलग-अलग अर्थ (सिन्ने) व्यक्त करते हैं लेकिन एक ही संदर्भ (बेड्यूटुंग) को नामित करते हैं, जो कि शुक्र ग्रह है।

(b) कथन "भोर का तारा ही भोर का तारा है" विश्लेषणात्मक और अनुभव-पूर्व है, जबकि "भोर का तारा ही संध्या का तारा है" में हमारे अनुभवजन्य ज्ञान के लिए मूल्यवान, विस्तार शामिल हैं।

(c) उचित नाम का अर्थ उस वस्तु की प्रस्तुति का तरीका (आर्ट डेस गेगेवेन्सेंस) है जिसे वह संदर्भित करता है, जो वस्तुनिष्ठ और विभिन्न वक्ताओं के बीच साझा करने योग्य रहता है।

(d) यदि हम विश्वास के संदर्भ में "भोर का तारा" अभिव्यक्ति को "संध्या का तारा" से प्रतिस्थापित करते हैं (जैसे, "जॉन का मानना है कि भोर का तारा एक ग्रह है"), तो पूरे प्रस्ताव के सत्य मूल्य के अपरिवर्तित रहने की गारंटी है।

Ans.(d)

